लता मंगेशकर
85 अमर गीत

1. बेदर्द तेरे दर्द को सीने से लगा के... (पद्मनी)–ग़ुलाम हैदर, 1948
2. आयेगा.. आयेगा आनेवाला... (महल)–खेमचन्द प्रकाश, 1949
3. हवा में उड़ता जाये मोरा लाल दुपट्टा... (बरसात)–शंकर जयकिशन, 1949
4. साजन की गलियाँ छोड़ चले... (बाज़ार)–श्याम सुन्दर, 1949
5. उठाये जा उनके सितम... (अन्दाज़)–नौशाद, 1949
6. तुम न जाने किस जहाँ में खो गये... (सज़ा)–एस.डी. बर्मन, 1951
7. बेईमान तोरे नैनवा निंदिया न आये... (तराना)–अनिल विश्वास, 1951
8. तुम क्या जानो तुम्हारी याद में... (शिन शिनाकी बूबला बू)–सी. रामचन्द्र, 1952
9. मोहे भूल गये साँवरिया... (बैजू बावरा)–नौशाद, 1952
10. ए री मैं तो प्रेम दिवानी... (नौ बहार)–रोशन, 1952
11. वो तो चले गये ऐ दिल... (संगदिल)–सज्ज़ाद हुसैन, 1952
12. वन्दे मातरम्... (आनन्द मठ)–हेमन्त कुमार, 1952
13. ये जिन्दगी उसी की है... (अनारकली)–सी. रामचन्द्र, 1953
14. ये शाम की तनहाईयाँ... (आह)–शंकर जयकिशन, 1953
15. ना मारो नजरिया के बान... (पहली झलक)–सी.रामचन्द्र, 1954
16. जो मैं जानती बिसरत हैं सैंया... (शबाब)–नौशाद, 1954
17. न मिलता ग़म तो बरबादी के अफ़साने... (अमर)– नौशाद, 1954
18. राधा न बोले न बोले न बोले रे... (आज़ाद)–सी. रामचन्द्र, 1955
19. मनमोहना बड़े झूठे... (सीमा)–शंकर जयकिशन, 1955
20. आँखों में समा जाओ इस दिल में... (यास्मीन)–सी. रामचन्द्र, 1955
21. जोगिया से प्रीत किये दुख होये... (गरम कोट)–पं. अमरनाथ, 1955
22. गुज़रा हुआ जमाना आता नहीं दुबारा... (शीरीं फरहाद)–एस.मोहिन्दर, 1956
23. रसिक बलमा... दिल क्यूँ लगाया... (चोरी–चोरी)–शंकर जयकिशन, 1956
24. मैं पिया तेरी तू माने या न माने... (बसन्त बहार)–शंकर जयकिशन, 1956
25. छुप गया कोई रे दूर से पुकार के... (चम्पाकली)–हेमन्त कुमार, 1957
26. सब कुछ लुटा के होश में आए... (एक साल)–रवि, 1957
27. आ जा रे परदेसी मैं तो कब से खड़ी... (मधुमती)–सलिल चौधरी, 1958
28. हम प्यार में जलने वालों को... (जेलर)–मदन मोहन, 1958
29. बैरन नींद न आए... (चाचा जिन्दाबाद)–मदन मोहन, 1959
30. दिल को लाख सम्भाला जी... (गेस्ट हाउस)–चित्रगुप्त, 1959
31. दिल का खिलौना हाय टूट गया... (गूँज उठी शहनाई)–वसन्त देसाई, 1959
32. कैसे दिन बीते कैसे बीती रतियाँ... (अनुराधा)–पं. रविशंकर, 1960
33. बेकस पे करम कीजिए सरकारे मदीना... (मुगल–ए–आज़म)–नौशाद, 1960
34. अजीब दास्तां है ये... (दिल अपना और प्रीत पराई)–शंकर जयकिशन, 1960
35. ओ सजना बरखा बहार आई... (परख)–सलिल चौधरी, 1960

36. ज्योति कलश छलके... (भाभी की चूड़ियाँ)–सुधीर फड़के, 1961
37. जा रे जा रे उड़ जा रे पंछी... (माया)–सलिल चौधरी, 1961
38. अल्लाह तेरो नाम, ईश्वर तेरो नाम... (हम दोनों)–जयदेव, 1961
39. ढूँढ़ो–ढूँढ़ो रे साजना मोरे कान का बाला... (गंगा जमुना)–नौशाद, 1961
40. एहसान तेरा होगा मुझ पर... (जंगली)–शंकर जयकिशन, 1961
41. आपकी नज़रों ने समझा... (अनपढ़)–मदन मोहन, 1962
42. पवन दीवानी न माने उड़ावे मोरा... (डा. विद्या)–एस.डी. बर्मन, 1962
43. जुर्मे उल्फ़त पे हमें लोग सज़ा देते हैं... (ताजमहल)–रोशन, 1963
44. लग जा गले कि फिर ये हसीं रात... (वह कौन थी)–मदन मोहन, 1964
45. ए री जाने ना दूँगी... (चित्रलेखा)–रोशन, 1964
46. जीवन डोर तुम्हीं संग बाँधी... (सती सावित्री)–लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल, 1964
47. ओ बेक़रार दिल, हो चुका है मुझको... (कोहरा)–हेमन्त कुमार, 1964
48. तुम्हीं मेरे मन्दिर तुम्हीं मेरी पूजा... (खानदान)–रवि, 1965
49. काँटों से... आज फिर जीने की तमन्ना है... (गाईड)–एस.डी. बर्मन, 1965
50. दिल का दिया जला के गया... (आकाशदीप)–चित्रगुप्त, 1965
51. अजी रूठकर अब कहाँ जाइयेगा... (आरज़ू)–शंकर जयकिशन, 1965
52. कंकरिया मार के जगाया... (हिमालय की गोद में)–कल्याण जी आनन्द जी, 1965
53. रहें न रहें हम महका करेंगे... (ममता)–रोशन, 1966
54. नयनों में बदरा छाये... (मेरा साया)–मदन मोहन, 1966
55. कुछ दिल ने कहा... (अनुपमा)–हेमन्त कुमार, 1966
56. दुनिया करे सवाल तो हम क्या जवाब दें... (बहू बेग़म)–रोशन, 1967
57. ओ गंगा मैया पार लगा दे... (चन्दन का पलना)–आर.डी.बर्मन, 1967
58. रुला के गया सपना मेरा... (ज्वेल थीफ़)–एस.डी. बर्मन, 1967
59. क्या जानूँ सजन होती है क्या ग़म की शाम... (बहारों के सपने)–आर.डी. बर्मन, 1967
60. छोड़ दे सारी दुनिया किसी के लिये... (सरस्वतीचन्द्र)–कल्याण जी आनन्द जी, 1968
61. महलों का राजा मिला कि रानी बेटी... (अनोखी रात)–रोशन, 1968
62. अल्लाह ये अदा कैसी है इन हसीनों में... (मेरे हमदम मेरे दोस्त)–लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल, 1968
63. ना जिया लागे ना... (आनन्द)–सलिल चौधरी, 1970
64. बैंया न धरो बलमा... (दस्तक)–मदन मोहन, 1970
65. जैसे राधा ने माला जपी श्याम की... (तेरे मेरे सपने)–एस.डी. बर्मन, 1971
66. मेघा छाये आधी रात बैरन बन गयी... (शर्मीली)–एस.डी. बर्मन, 1971
67. कजरा लगा के बिन्दिया सजा के... (जल बिन मछली नृत्य बिन बिजली)–लक्ष्मीकान्त–प्यारेलाल, 1971
68. तू चन्दा मैं चाँदनी, तू तरुवर मैं शाख रे... (रेशमा और शेरा)–जयदेव, 1971
69. रैना बीती जाये श्याम न आये... (अमर प्रेम)–आर.डी. बर्मन, 1971
70. ठाढ़े रहियो ओ बाँके यार रे... (पाकीज़ा)–गुलाम मोहम्मद, 1971
71. आज सोचा तो आँसू भर आए... (हँसते जख़्म)–मदन मोहन, 1973
72. ये दिल और उनकी निगाहों के साए... (प्रेम पर्वत)–जयदेव, 1973
73. दो नैनों में आँसू भरे हैं... (खुशबू)–आर.डी. बर्मन, 1975

74. अपने आप रातों में चिलमनें सरकती हैं... (शंकर हुसैन)–ख़य्याम, 1977
75. ईश्वर सत्य है... सत्यम शिवम सुन्दरम... (सत्यम शिवम सुन्दरम)–लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल, 1978
76. जिद न करो अब तो... (लहू के दो रंग)–बप्पी लाहिरी, 1979
77. सोलह बरस की बाली उमर को... (एक दूजे के लिये)–लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल, 1981
78. ये कहाँ आ गये हम... (सिलसिला)–शिव हरि, 1981
79. दिखायी दिये यूँ कि बेखुद किया... (बाज़ार)–ख़य्याम, 1982
80. ऐ दिले नादां... आरजू क्या है... (रजिया सुल्तान)–ख़य्याम, 1983
81. दिल दीवाना बिन सजना के माने न... (मैंने प्यार किया)–राम लक्ष्मण, 1989
82. सुनियो जी अरज म्हारी... (लेकिन)–हृदयनाथ मंगेशकर, 1990
83. दिल हुम–हुम करे घबराये... (रुदाली)–भूपेन हजारिका, 1992
84. माई नी माई मुंडेर पे तेरी... (हम आपके हैं कौन)–राम लक्ष्मण, 1994
85. लुका–छिपी बहुत हुई... (रंग दे बसन्ती)–ए. आर. रहमान, 2006

–संकलन : यतीन्द्र मिश्र द्वारा चयनित जिसमें सुश्री लता मंगेशकर जी की सहमति एवं परामर्श भी शामिल है। (2016)